

NEO CONVENT SR. SEC. SCHOOL

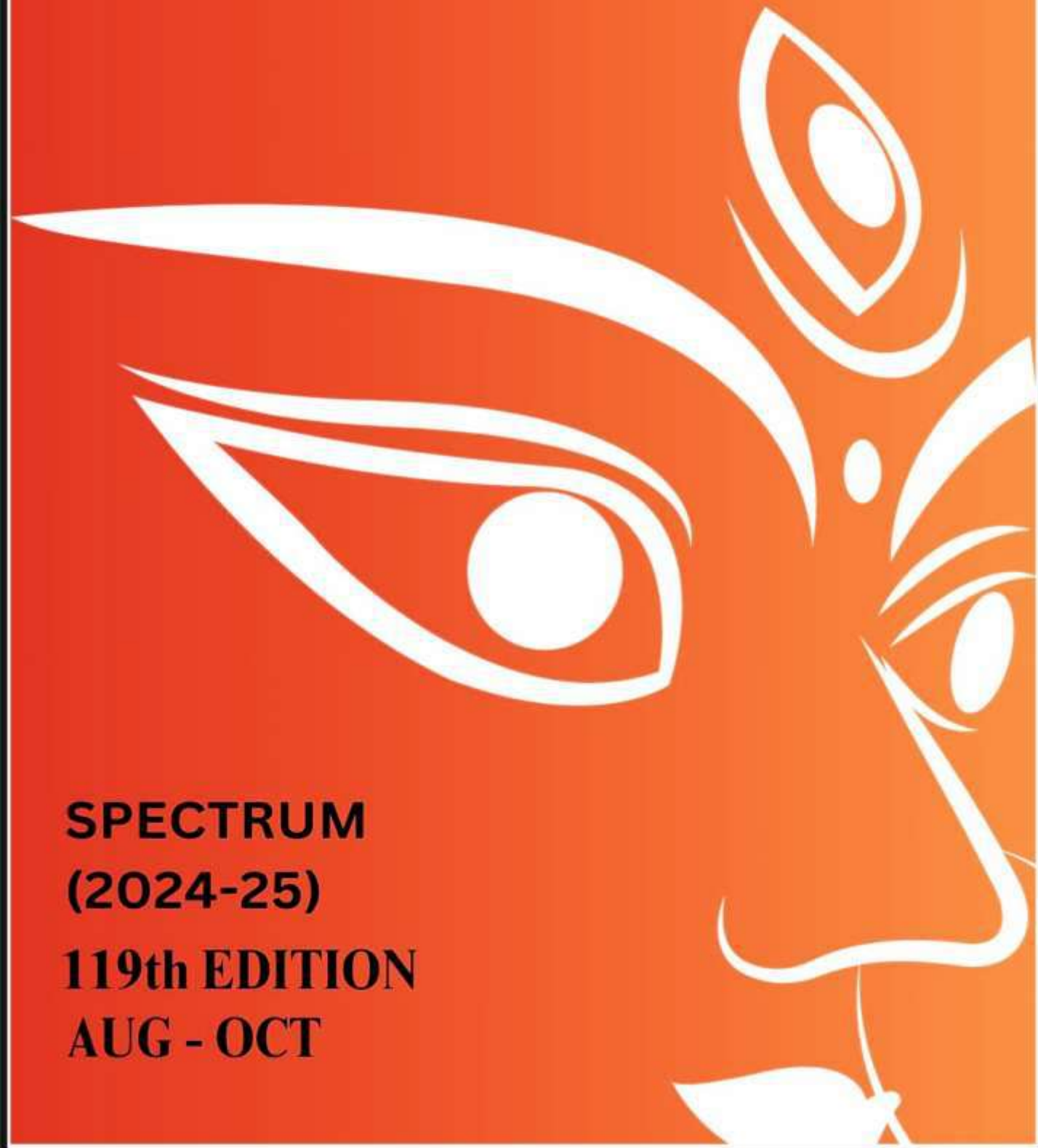
Paschim vihar-63

SPECTRUM

(2024-25)

119th EDITION

AUG - OCT



ART & CRAFT ZONAL

2ND

**ANANYA JHA XI-A
DRITHI VACHHAIR XI-A**

COLLAGE SR. GIRLS

3RD

BHAWNA IX-C

DRAWING

3RD

PARI RAWAT XII-A

SCULPTURE SR. GIRLS



OPEN DELHI STATE SKATING COMPETITION

ORG BY:	Delhi Skating Association
DATE:	31 August 2024
Place:	Rosary Sr. Sec. School, Radio Colony Kingsway Camp
Total Neonian Participant:	11



DDA SPORTS COMPLEX SKATING CHAMPIONSHIP-2024

Organised by:	DDA Sport Complex Paschim Vihar
DATE:	19 May 2024
Place:	DDA Sports Complex Paschim Vihar
Total Neonian Participants:	20

THROW BALL PRIMARY ZONAL GIRLS CLASS-4-5

ORG BY:	Zone-17
DATE:	24 September 2024
Place:	GSKV Tikri Kalan
Total Neonian Participants:	10

VOLLEYBALL ZONAL U-14 BOYS CHAMPIONSHIP-2024



Organised by:	Zone-17
DATE:	18 September 2024
Place:	St. Froebel School Paschim Vihar
Total Neonian Participants:	9

HANDBALL ZONAL CHAMPIONSHIP-2024 U-14 GIRLS

Organised by:	Zone -17
DATE:	24 September 2024
Place:	GSKV SP Road Nangloi Delhi-110041
Total Neonian Participants:	12



INDIA: THE BEAUTY

*In the land of ancient tales,
India shines with its culture and
beauty that never fails.
In the north, where the Himalayas rise,
Beauty awaits with every surprise.*

*Highways, valleys and
peaks invite exploration,
A glimpse of nature's majestic creation.
The southern part with its lush greenery,
Attracts the nature lovers
with its sheer beauty.
Backwaters of Kerala,
where peacefulness reigns,
A journey through serenity,
nature's sweet abstain.*

*In the east, where the holy
mother ganga flows,
Spirituality and devotion eternally grow.
Varanasi's holy steps and ancient rituals,
Unite souls and enlightens the wisdom.*

*In the west, lies the dream city,
Where anyone can eliminate their pity.
There lies the world's most famous
"Gir national park",
Where the Asiatic lions are the wizard.*

*So come wanderers, from far and near,
Experience the magic of India,
transparently clear.
Where adventure,
spirituality and beauty ignite,
Indian tourism, a journey so divine.*

-Syed Aamish kaifi (IX-C)

MY FATHER

*My father is my heart
He is my life's part
He encourages me to do things
With him my life sings*

*You are my world
You are my dad
You are my backbone
With you I never groan*

*You love me a lot
It's not a thought
You are too brave
With you I always feel safe*

*You work hard day and night
To make my future bright
It's the only secret of my life*

*My life starts at you
Ends at you
My father is the best
He never rests*

Manpreet Kaur VII B



INDEPENDENCE DAY 2024



*“May the spirit of freedom guide us
towards a brighter future”*

HAPPY 78TH INDEPENDENCE DAY!



MUSIC ZONALS

Zonal 1st
Inter Zonal 2nd
Daisy Chauhan XI-B
Light Music Sr. Girls

Zonal 1st
Inter Zonal 2nd
Aryan Raja VII-C
Semi Classical Music
Vocal Jr. Boys



Zonal 1st
Inter Zonal 2nd
Gurkirat Singh X-B
Instrumental Solo

Zonal 1st
Inter Zonal 2nd
Aryan Raja VII-C
Instrumental Solo

MUSIC ZONALS

2nd Position
Simar Arora XII-A
Instrumental Solo
(Swar & Percussion)

2nd Position
Hargun Singh VII-B
Instrumental Solo
(Swar & Percussion)



2nd Position
Kanwaljeet Singh VII-A
Light Music Vocal
Jr. Boys

2nd Position
Har Roop Singh VIII-C
Classic Music Vocal
Raag Jr. Boys

NORTH DISTRICT TAEKWONDO CHAMPIONSHIP-2024

Organised by:	North District Taekwondo Association(DTA)
DATE:	27 April 2024
Place:	AFCS Centre Pocket-3 Dwarka
Total Neonian Participants:	34



SILVER
12



GOLD
11



BRONZE
11



6TH DELHI NCR MARTIAL ART TAEKWONDO CHAMPIONSHIP-2024

Organised by:	Combat Self Defence Association of Delhi
DATE:	15 September 2024
Place:	Moti Ram Memorial G.S.S. School, Dilshad Garden
Total Neonian Participants:	23



SILVER
9



GOLD
11



BRONZE
3



CBSE SHIKSHA SAPTAH

(22 TO 28 July 2024)



A dedicated week – Emphasizing the importance of education and literacy.

EVERLASTING MEMORIES

I smile as I gaze at the school, adorned with shimmering golden lights, students chattering in the corridors in their vibrant dresses. Realizing this is the last time I'll witness it all makes me emotional. That's the magic of school annual days—everything feels full of life. Even the dull, dreaded Mondays turn exciting. The student who's always absent suddenly becomes regular, and the quietest kid shows off their dance moves. The school grounds echo with cheerful voices as teachers rehearse their acts. It's a rare moment when students are freed from their hectic study schedules, simply enjoying the best of times.

And finally, the dream of attending school at night comes true on rehearsal day. One thing I'll truly miss is catching up backstage with my friends as we wait for our performance. On the big day, everything feels so magical—school lit up with lights and love, students in their beautiful costumes, teachers in their finest outfits, and everyone brimming with happiness. As the day comes to a close and I head home, I see the previous batch meeting their teachers, reminding me that one day I'll be coming back to do the same. It kind of makes me sad, but that's just how life is—it moves on. And if the multiverse theory is real, I hope I'm living this annual day in each and every universe.

ABHASHREE XII-C

ANNUAL DAY- 2024



सन्मार्ग (VIRTUOUS PATH)



“A journey towards righteousness.”

सपनों की उड़ान

सपनों की दुनिया बड़ी हो, अब बड़े हो तुम साथी,
आशा की किरण बनो, न छोड़ो कभी चाहत की बाती।
दुनिया में फैला सन्नाटा, तुम बनो उसकी आवाज़,
संघर्ष से डरने वाले नहीं, बढ़ते चलो बिना कोई बात।

जान का हो अथाह सागर, उसमें डूबो बार-बार,
पंखों से तुम उड़ सकते हो, आकाश से कर लो प्यार।
समझो जीवन का यह सच, जो सीखा, वो तुमको देना है,
निज स्वार्थ से ऊपर उठकर, दुनिया को कुछ कर दिखाना है।

सपने देखना पहला कदम, पर हिम्मत से उनको जीना है,
सिर्फ सोचने से कुछ न होगा, मेहनत से मंजिल पाना है।
असफलताएँ आएंगी जरूर, पर उनसे हार न मानना,
सीखना हर हार से तुम, और फिर से राह बनाना।

अपने दिल की सुनो सदा, चाहे कुछ भी हो संसार,
भीड़ के पीछे मत भागो, खुद बनो अपने विचार।
सच्चाई, ईमानदारी से, अपने लक्ष्य की ओर बढ़ो,
तुम हो अपने भाग्य विधाता, इसे मेहनत से गढ़ो।

उम्र के साथ जिम्मेदारियां भी, पर साहस न घटने पाए,
दुनिया में चमकने का सपना, हर दिल की चाहत कहलाए।
संघर्षों में मिलती ताकत, यही जीवन की सच्चाई है,
जो डटे रहते हैं, वही अंत में बनते जीत की परछाई है।

तो बढ़ते रहो, न रुकना, यह जीवन का सफर है खास,
जो चलता है सन्मार्ग पर, उसे मिलता है आकाश।

YASHIKA- XI-A

भगवान विष्णु जी के दस अवतार

भगवान विष्णु जी का नौवाँ अवतार महात्मा बुद्ध

विष्णु जी के अवतारों में आज हम इनके नौवें अवतार महात्मा बुद्ध जी के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे।

महात्मा बुद्ध का जन्म लुंबिनी में 563 ईसा पूर्व इक्ष्वाकु वंशीय क्षत्रिय शाक्य कुल के राजा शुद्धोधन के घर में हुआ था। इनकी माँ का नाम महामाया था। महात्मा बुद्ध के जन्म के सात दिन बाद इनकी माता का देहांत हो गया था। इनका पालन महारानी की छोटी बहन महाप्रजापती गौतमी ने किया था। बचपन में इनका नाम सिद्धार्थ रखा गया। इनके जन्म समारोह के समय एक ऋषि ने इनके नक्षत्रों को देखकर यह घोषणा की कि यह बालक या तो एक महान राजा बनेगा या फिर एक महान पवित्र पथ प्रदर्शक बनेगा। इनके पिता ने अन्य ब्राह्मणों को भी इनका भविष्य बताने के लिए कहा तो सभी ने यही भविष्यवाणी की।

भविष्यवाणी सुनकर राजा शुद्धोधन थोड़ा विचलित हो गए। उन्होंने सिद्धार्थ का लालन-पालन बहुत ध्यान से किया। वे उन्हें महल के बाहर जाने नहीं देते। राजा शुद्धोधन उनकी हर छोटी से छोटी चीज का विशेष ध्यान रखते थे। सिद्धार्थ ने गुरु विश्वामित्र से वेद, उपनिषद, राजकाज व युद्ध विद्या की भी शिक्षा ली। सोलह वर्ष की उम्र में उनका विवाह यशोधरा के साथ हुआ। राजा शुद्धोधन ने अपने पुत्र के लिए भोगविलास का भरपूर प्रबंध कर दिया। उन्होंने तीनों ऋतुओं के लायक तीन सुंदर महल बजावाएँ। वहाँ पर उनके लिए मनोरंजन की सारी सामग्री थी। दास-दासी उनकी सेवा के लिए हर समय उपस्थित थे। समस्त भोगों से युक्त महल में वे यशोधरा के साथ रहने लगे। जहाँ उनके पुत्र राहुल का जन्म हुआ। लेकिन धीरे-धीरे उनका मन वैराग्य में चला गया और ये सब चीजें सिद्धार्थ को संसार से बाँधकर नहीं रख सकी।

वसंत ऋतु में एक दिन सिद्धार्थ बगीचे की सैर करने निकले। उन्हें सड़क पर एक बूढ़ा आदमी दिखाई दिया। उसका शरीर बहुत जर्जर था। वह हाथ में लाठी लिए सड़क पर धीरे-धीरे चल रहा था। अगली बार जब सिद्धार्थ सैर के लिए निकले तो उन्होंने एक रोगी को देखा। जिसका शरीर बहुत कमजोर हो चुका था। उसका चेहरा पीला पड़ गया था। सिद्धार्थ जब आगे बढ़े तो देखा कि चार आदमी एक अर्धी को उठाए लिए जा रहे हैं। उसके पीछे बहुत से लोग चले आ रहे हैं। कोई रो रहा था तो कोई छाती पीट रहा था। इन सभी दृश्यों को देखकर सिद्धार्थ विचलित हो गए। उन्होंने सोचा कि 'धिक्कार है जवानी को' जो जीवन को सौख लेती है। 'धिक्कार है स्वास्थ्य को' जो शरीर को नष्ट कर देता है। 'धिक्कार है जीवन को' जो इतनी जल्दी अपना अध्याय पूरा कर देता है। क्या बुढ़ापा, बीमारी और मौत इसी तरह आती रहेंगी? अगली बार जब सिद्धार्थ सैर के लिए निकले तो उन्हें एक संन्यासी मिला। संसार की सारी भावनाओं और कामनाओं से मुक्त प्रसन्नचित्त संन्यासी ने सिद्धार्थ को आकृष्ट किया। वे संन्यासी से इतना प्रभावित हुए कि उन्होंने एक रात अपनी पत्नी, पुत्र राहुल व राज्य का मोह छोड़कर तपस्या के लिए चल पड़े। वे राजगृह पहुँचे। वहाँ भिक्षा माँगी। घूमते-घूमते आलार कालाम व उद्दक रामपुत्र से मिले। उनसे योग साधना सीखी किंतु उन्हें संतोष नहीं मिला।

शुरू-शुरू में वे तिल-चावल खाकर तपस्या करते थे, बाद में उन्होंने यह भी छोड़ दिया। उनका शरीर सूखकर काँटा हो गया। इस तरह से छः साल बीत गए पर उनकी तपस्या सफल नहीं हुई। एक दिन सिद्धार्थ जहाँ तपस्या कर रहे थे वहाँ कुछ स्त्रियों का स्वर उन्हें सुनाई दिया – वीणा के तारों को

ढीला मत छोड़ो कि सुरीला सुर ही निकले और न ही इतना कसो कि वे टूट जाएँ। सिद्धार्थ को यह बात समझ आ गई कि नियमित आहार-विहार से ही योग सिद्ध होगा। अति किसी की भी अच्छी नहीं। इसके लिए मध्यम मार्ग ही ठीक है और इसके लिए कठोर तपस्या करनी पड़ती है।

35 वर्ष की आयु में वैशाखी पूर्णिमा के दिन सिद्धार्थ पीपल वृक्ष के नीचे ध्यानस्थ थे। वही उन्हें उस रात सच्चा बोध मिला तभी से वे बुद्ध कहलाए। जिस पीपल वृक्ष के नीचे उन्हें बोध मिला वह 'बोधिवृक्ष' कहलाया गया और गया का समीपवर्ती स्थान 'बोधगया' से प्रसिद्ध हुआ। वे 80 वर्ष तक अपने धर्म का सीधी सरल भाषा में प्रचार करते रहे। उन्होंने आषाढ की पूर्णिमा को सारनाथ के पास सर्वप्रथम उपदेश दिया और अपने प्रथम पाँच मित्रों को अपना अनुयायी बनाया और उन सबको प्रचार के लिए भेज दिया। उनका प्रिय शिष्य आनंद था।

उपदेश – भगवान बुद्ध ने लोगो को मध्यम मार्ग का उपदेश दिया। उन्होंने अहिंसा पर जोर दिया। यज्ञ व पशु-बलि की निंदा की। उनके उपदेशों का सार इस प्रकार है-

- महात्मा बुद्ध ने सनातन धर्म के कुछ संकल्पनाओं का प्रचार किया, जैसे अग्निहोत्र तथा गायत्री मंत्र।
- ध्यान तथा अन्तर्दृष्टि
- मध्यम मार्ग का अनुसरण
- चार आर्य सत्य
- अष्टांग मार्ग (शुद्ध ज्ञान, शुद्ध संकल्प, शुद्ध वार्तालाप, शुद्ध कर्म, शुद्ध आचरण, शुद्ध प्रयत्न, शुद्ध स्मृति, शुद्ध समाधि। उनके प्रचार से, उनके भिक्षुओं की संख्या बढ़ती चली गई। जिससे उन्होंने बौद्ध संघ की स्थापना की। 'बहुजन हिताय' पर विशेष ध्यान दिया। अशोक आदि सम्राटों ने भी विदेशों में बौद्ध धर्म के प्रचार में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस प्रकार नौवें अवतार में विष्णु जी ने महात्मा बुद्ध के रूप में जन्म लेकर हमारी धरती पर धर्म की स्थापना की। उन्होंने अहिंसा, प्रेम, शांति और त्याग का संदेश देकर समाज से कुरीतियों को दूर करने का प्रयत्न किया था।

Future Tech Olympiad. Congratulations to all the winners!

CATEGORY	NAME	CLASS
Gold	Rupakshi Gupta	11
Gold	Simar Arora	11
Gold	Pavneet Kaur	11
Silver	Hardika Chhabra	11
Silver	Mitali Singh	11
Silver	Prabhjot Singh	11
Silver	Mankirat Kaur	11
Bronze	Prabhdeep Singh	11
Bronze	Devanshu Yadav	11

>>>>>

Rani Gaidinliu- Daughter of Hills

Rani Gaidinliu, a prominent figure in Indian history, was a fearless Naga spiritual leader and a significant freedom fighter against British colonial rule in the early 20th century. Born on January 26, 1915, in the village of Luangkholen in Manipur, she emerged as a beacon of resistance during a time when indigenous communities were grappling with the encroachment of colonial powers. From a young age, Gaidinliu demonstrated a profound commitment to her people's rights and cultural identity. Influenced by the Zeliangrong Naga movement, which sought to assert the autonomy and rights of the Naga people, she became actively involved in socio-political issues. By the age of 16, she had already assumed a leadership role, advocating for the rights of her community and mobilizing support against British exploitation.

Gaidinliu's most notable contribution was her role in the Naga independence movement. In 1932, she led a significant uprising against the British, which resulted in her arrest and subsequent imprisonment for nearly a decade. Despite facing harsh conditions, her spirit remained unbroken, and she continued to inspire her followers through her resolve and determination. Her activism was not just limited to political resistance; she also emphasized the importance of social reforms within her community, promoting education and women's rights. Gaidinliu's vision extended beyond mere resistance to colonialism; she sought to unify the Naga tribes and cultivate a sense of national identity. After her release in 1947 after 14 years of imprisonment, Gaidinliu continued to advocate for the Naga cause, becoming a symbol of hope and resilience. She received numerous accolades for her contributions, including the title of "Rani," which signifies her leadership and commitment to her people. Jawaharlal Nehru, the first prime minister of India held her in high regard as the 'daughter of hills'.

Today, Rani Gaidinliu is remembered not only as a freedom fighter but also as a cultural icon. Her legacy lives on in the hearts of the Naga people, and she stands as a testament to the enduring spirit of resistance against oppression. Through her life and work, Gaidinliu has left an indelible mark on the history of India's struggle for freedom and the fight for indigenous rights.



Penned by
Deepika Kumari
XI-A

Hindi Extempore

Inter Zonal - 2nd Position

Zonal - 1st Position

Tanishpreet Kaur VII - B

Essay Writing Zonal

2nd

Ashita Singh VIII - A
Essay Writing Hindi
Jr. Girls

3rd

Avni Gupta VIII - C
Essay Writing English
Jr. Girls

Literary Zonal

2nd

Lavanya Malhotra
X - C

Hindi Poetry Sr.
Girls

2nd

Ojasvi Maheshwari X - C
Harmandeep Kaur X - C

Hindi Debate Sr.
Girls

3rd

Yashika XI - A

Slogan writing
English Sr. Girls

TEACHERS' WORKSHOP (STRESS MANAGEMENT)

Get rid of stress – Become healthier, happier and more productive.

Hosted by: Neo Convent Sr. Sec. School on 27-07-2024
Resource Persons-Mr. Dr. Akshay Jain & Ms. Shurti Pandey



TEACHERS' WORKSHOP (CYBER SAFETY AND SECURITY)



CYBER SECURITY- THINK BEFORE YOU CLICK
Hosted by: Neo Convent Sr. Sec. School on 14- 09- 2024
Resource Person- Mr. Pulkit Rathi & Dr. Ms. Sakshi Vermani Rishi



HINDI OLYMPIAD

हिंदी विकास संस्थान

हिंदी उत्कर्ष मंडल

NEONIAN PARTICIPANTS
53

11



2

स्वर्ण पदक



2

रजत पदक



2

कांस्य पदक

NEONIAN PARTICIPANTS
63



⇒ 10 स्वर्ण पदक विद्यालय स्तर पर

⇒ 1 स्वर्ण पदक राष्ट्रीय हिंदी प्रतिभा सम्मान

MUSIC ZONALS

"Music is the universal language of mankind"

3rd Position

Sajleen Kaur XI-C
Classical Music Raag
(Sr. Girls)



3rd Position

16 Students
Qawwali (Boys)

Zonal 1st

Inter Zonal 2nd

12 STUDENTS (ORCHESTRA BAND- BOYS)



STRESS MANAGEMENT WORKSHOP FOR PARENTS (CLASSES IX to XII)





PENTASOFT OLYMPIAD



1ST POSITION

MATHEMATICS

YASHWIN	I-A
ADVIK	I-C
ELIJAH	II-A
ABHINAV	II-C

1ST POSITION

ENGLISH

SWANVESHNA	II-A
PRABJI KAUR	II-B
MEDANSH	II-A
ANSH	I-C
ADVIK	I-A

1ST POSITION

COLOURING

VASVI	I-C
GURARSH KAUR	I-B
HARNOOR KAUR	II-B
BIPRAN SINGH	II-A



CONQUEST OLYMPIAD



1ST POSITION

★ PRITHVIRAJ	III-A
★ PRANAV AWASTHI	III-B
★ HIMANI KAPOOR	III-B
★ JIWANJOT SINGH	III-C
★ SHUBHI BALONIA	III-C
★ KANIKA	IV-A
★ VIVAAN GAUR	IV-B
★ HIMANSHI MANO CHA	IV-B
★ GAURVI MONGIA	IV-C

★ SHUBH GUPTA	V-C
★ SAANCHI MADANI	VI-A
★ GAURANSH GULATI	VI-B
★ AYUSH NAKOTI	VI-C
★ MANMEET SINGH	VII-B
★ DEVANSH	VII-C
★ SAKSHI SINGHAL	V-A
★ SIFAT KAUR	V-B



NEO CLUBS



SCIENCE CLUB



DRAMATICS CLUB



COMPUTER CLUB



COMMERCE CLUB



HERITAGE CLUB



SPIC AND SPAN CLUB



READERS HIVE CLUB



INCLUSIVE EDUCATION CLUB



ENVIRONMENTAL CLUB